आभार

प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध के पूर्णता के अवसर पर सभी विद्वान गुरुजनों, मित्रों एवं सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट करना मैं अपना पुनीत कर्तव्य समझता हूँ, जिनका मार्गदर्शन, आशीर्वाद एवं सहयोग प्राप्त हुआ है ।

सर्वप्रथम मैं अपने परम आदरणीय शोध-निर्देशक प्रो• कनुभाई बिछियाभाई निनामा, प्रोफेसर एवं प्राचार्य, हिन्दी विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय वडोदरा, गुजरात का ऋणी हूँ, जिन्होंने शोधकार्य हेतु विषय चयन से लेकर अपने विद्वत्तापूर्ण निर्देशन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। वस्तुतः यह स्वीकृति मुझे अल्पज्ञ हेतु विद्या प्रदायनी सरस्वती का साक्षात् अनुग्रह ही था। आपकी विद्या प्रदायनी सरस्वती स्वरूपा विद्वत्ता एवं निर्देशन के परिणामस्वरूप ही मैं यह शोध स्तरीय गहन अध्ययन पूर्ण कर सका।

मैं अपने विभागाध्यक्ष डॉ• कल्पना गवली के प्रति आभार ज्ञापित करता हूँ, जिनके सान्निध्य में मैंने अपना शोध-प्रबन्ध पूर्ण किया।

मैं अपने विभाग के आदरणीय प्राध्यापकगण प्रो•दक्षा मिस्त्री प्रो.लता सुमन्त,प्रो• शन्नो पांडेय, डॉ॰ माया प्रकाश पांडेय, डॉ अनिता शुक्ला, डॉ॰ मनिषा ठक्कर, डॉ॰ अजहर डेरीवाला, डॉ• एन• एस• परमार , आदि के प्रति आभारी हूँ, जिनका स्नेह एवं सहयोग मुझे सदैव प्राप्त हुआ है।

मैं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के पुस्तकालय हंसा मेहता, और सोशल मीडिया माध्यम का आभार प्रकट करता हुँ, जिसके माध्यम शोध कार्य में सहायता प्राप्त हुई।

मैं अपने पूज्यनीय पिता जी स्वर्गीय श्री दयाशंकर सिंह एवं माता सुशीला देवी के प्रति नतमस्तक हूँ, जिनका आशीर्वाद मेरा सम्बल रहा है। मैं छोटे भाई विवेक सिंह परम मित्र लक्ष्मीकांत सिंह एवं राजेश यादव का सहृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिनकी प्रेरणाओं ने हमेशा मेरा साहस बढ़ाया।

उपरोक्त सभी के आशीर्वाद से शोध कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण हुआ।

मेरे शोधकार्य का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष मेरी जीवन साथी सरला सिंह का रहा है। आपके सहयोग के बिना यह महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण करना सम्भव नहीं था। मेरे हर पक्ष में आपका सदा सहयोग रहा और मैं अपने शोध को पूर्णता की ओर ले गया। इस सहयोग को मैं अपने शब्दों में नहीं पिरो सकता। इसके पश्चात् मैं अपने दीदी-जीजा श्रीमती रागिनी सिंह एवं श्री पवन सिंह । छोटे भाई बहनों में अभिषेक सिंह, अमन सिंह एवं निशी सिंह इन सबके योगदान को मेरे अहसास के माध्यम से महसूस किया जा सकता है।

मैं अपने मित्रों एवं सहयोगियों में प्रमोद सिंह (विशेष धन्यवाद) ,विरेन्द्र सिंह,क्षेत्र सिंह ,विनोद शुक्ल,मनीष पांडेय, प्रेम शंकर सिंह, नागेंद्र कुमार शर्मा, पिंटू यादव, डॉ.ईश्वर अहीर, सुनील यादव, पूनम सिंह, आनंद जिन्होंने शोध प्रबन्ध की पूर्णता में अपना बहुमूल्य सहयोग दिया।

मैं उन सभी साहित्यकारों और समीक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जिनकी कृतियों से मैंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में सहायता और विचारोत्तेजना प्राप्त की हैं।

शोध-छात्रा

ओम प्रकाश

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,

बडौदा, गुजरात